

हिमालय ग्लेशियर पर रिसर्च के लिए छात्र को बेस्ट स्टूडेंट प्रेजेंटेशन अवॉर्ड

इंदौर | आईआईटी इंदौर के छात्र साकेत दुबे को इंडो-यूके वर्कशॉप में बेस्ट स्टूडेंट प्रेजेंटेशन अवॉर्ड दिया गया। आईआईटी मुंबई में हुई इस वर्कशॉप में साकेत ने ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स इन इंडियन हिमालया विषय पर प्रेजेंटेशन दिया था। वे आईआईटी के डॉ. मनीष कुमार गोयल के सुपरविजन में पीएचडी कर रहे हैं। वर्कशॉप का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल और आईआईटी बॉम्बे ने किया था। वर्कशॉप में इंग्लैंड, नीदरलैंड और इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भी लेक्चर दिए थे। साकेत का प्रेजेंटेशन हिमालय क्षेत्र में मौजूद ग्लेशियर झीलों पर किए गए अध्ययन पर आधारित था। इसमें दर्शाया कि ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलएफओ) की स्थिति धारा क्षेत्र में रहने वाले समुदायों को गंभीर खतरा हो सकती है। ये 2013 में उत्तराखंड में हुए केदारनाथ हादसे जैसा भयानक भी हो सकता है। भारतीय हिमालय क्षेत्र में 23 क्रिटिकल झीलें हैं, जिनमें आउटबर्स्ट की पूरी आशंका है जो मानव जीवन के लिए घातक साबित हो सकती हैं। 67 ग्लेशियल झीलों के बहाव मार्ग पर कम से कम एक हाइड्रो पावर प्रणाली है। आउटबर्स्ट का एक कारण एवलांच यानी बर्फीला तूफान हो सकता है। यदि ये तूफान झील में प्रवेश करेगा तो पानी सारी बाधाएं तोड़कर बहेगा।